SAFALTA CLASS™

An Initiative by अमर उजाला

HISTORY BY-
SUJEET BAJPAI SIR

जैन धर्म

- ★ जैन धर्म में मोहनजोदड़ो के पशुपति की मुहर को प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव मानते हैं।
- ★ दूसरे तीर्थंकर अजीतनाथ की चर्चा युजुर्वेद में मिलती है।
- ★ 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ थे, काशी जो काशी नरेश अश्वसेन के पुत्र थे। ये इक्ष्वाकु के थे।

पार्श्वनाथ की पत्नी - प्रभावती

पार्श्वनाथ की माँ - वामा

महावीर के बारे में

- ★ जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर वर्धमान महावीर थे।

जन्म	:	कुण्डग्राम (वैशाली)
कब	:	540 बी.सी.
पिता	:	सिद्धार्थ

कुल	:	ज्ञातृक
भाई	:	नदिवर्धन
माता	:	त्रिशला (लिच्छवी, राज चेतक की बहन)
पत्नी	:	यशोदा
पुत्री	:	अनोज्जा (प्रियदर्शिनी)
दामाद	:	जामिल (प्रथम शिष्य)
मृत्यु	:	पावापुरी (नालंदा)

नोटः जैन धर्म में आत्मा व पुनर्जन्म दोनों माने जाते हैं।

पांच सिद्धान्त

1.अहिंसा, 2.अमृषा, 3.अचौर्य, 4.अपरिग्रह 5.ब्रह्मचर्य (महावीर द्वारा जोड़ा गया)

त्रिरत्नः सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान, सम्यक आचरण

जैन धर्म

श्वेतांबर(वस्त्र धारण करते हैं) — प्रमुखः स्थूलभद्र

दिगंबर (दिशाओं को ही वस्त्र मानतें हैं) — प्रमुखः भद्रबाहू

Bajpai Sir

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

बौद्ध धर्म

प्रवर्तक	:	गौतम बुद्ध (वंश शाक्य)
बुद्ध के पिता	:	शुद्धोधन (शाक्य कुल, कपिलवस्तु के शासक)
बुद्ध का वास्तविक नाम	:	सिद्धार्थ
जन्म स्थान	:	लुम्बिनी (वर्तमान नेपाल)
मृत्यु	:	483बी.सी.कुशीनगर (वर्तमान में दवरिया)
माता	:	महामाया(जन्म के 7वें दिन मृत्यु,कोलिय वंश की थी)
पालनकर्ता	:	मौसी प्रजापति गौतमी(संघ में प्रवेश करने वाली प्रथम महिला)
पत्नी	:	यशोधरा, अन्य नाम - गोपा, बिम्बा आदि
पुत्र	:	राहुल
गुरू	:	आलारकलाम
योग गुरू	:	रूद्रकराकपुप्त
सारथी	:	छन्दक, चन्ना आदि

SAFALTA CLASS
An Initiative by अमर उजाला

घोड़ा	:	कन्थक
ज्ञानप्राप्ति	:	बोधगया में (नदी - निरंजना (फल्गू))
वृक्ष के नीचे	:	पीपल
महाभिनिष्क्रमण	:	ग्रह त्याग को कहते हैं।
धर्मचक्र प्रवर्तन	:	प्रथम उपदेश को कहते हैं। स्थानः सारनाथ
महापरिनिर्वाण	:	मृत्यु को कहते हैं।

Buddhist Council	Patron	Venue	Chairman
First	Ajatashatru	Rajgriha	Mahakashyapa
Second	Kalashoka	Vaishali	Sabbakami
Third	Ashoka	Patliputra	Mogaliputra
Fourth	Kanishka	Kundalban (Kashmir)	Vasumitra

sujeet bajpai sir

मगध महाजनपद का उदय

हर्यक वंश

- ⇒ इसे पितृहंता वंश कहते है। (Patricide dynasty)
- ⇒ संस्थापक – बिम्बीसार (Bimbisar) था।
- ⇒ प्रसिद्ध वैद्य ~~ए~~ जीवक इसके दरबार में ~~जीव~~उपस्थित थे।
- ⇒ Bimbisar की हत्या उसके पुत्र अजातशत्रु ~~ए~~ ने की थी।
- ⇒ प्रथम बौद्ध संगीति ~~अजातशत्रु~~ अजातशत्रु के समय में हुई थी। ~~480~~ 483 B.C राजगृह

⇒ अजातशत्रु की हत्या उसके पुत्र उदायिन (Udayin) ने की थी।

⇒ Udayin ने पाटलीपुत्र की स्थापना की थी।

⇒ इस वंश का अंतिम शासक नागदशक था।

⇒ नागदशक की हत्या उसके मंत्री शिशुनाग (Shishunag) ने की थी।

शिशुनाग वंश sujeet bajpai sir

संस्थापक – शिशुनाग

⇒ शिशुनाग की मृत्यु के बाद उसका पुत्र कालाशोक सत्ता में आया था।

⇒ दूसरी बौद्ध संगीति कालाशोक के समय हुई थी। 383 B.C (वैशाली) बिहार

⇒ अंतिम शासक नंदि Nandivardhana था (नंदीवर्धन)

⇒ नंदीवर्धन की हत्या ~~मंत्री~~ उसके मंत्री महापद्मनंद (Mahapadma nanda) ने की थी

नंद वंश

संस्थापक - महापद्मनंद

⇒ इस वंश का अंतिम शासक घनानंद था।

⇒ सिकन्दर ने घनानंद के समय भारत पर हमला किया था।

⇒ घनानंद की हत्या चन्द्रगुप्त मौर्य ने की थी।

Attack of Alexender (326 B.C)

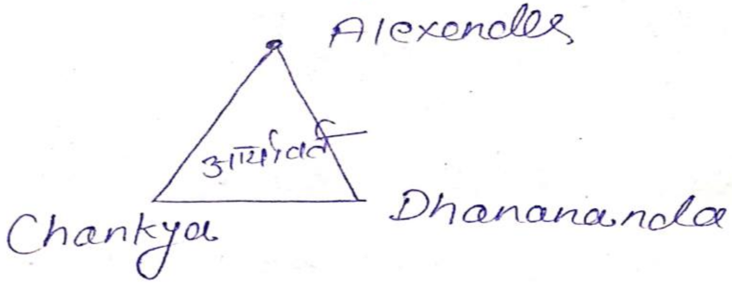

⇒ वह मकदुनिया का राजा था।

⇒ इसके Teacher का नाम अरस्तु था

Battle of Hydespes / Battle of Jhelum
Vitasta (वितस्ता)

⇒ यह युद्ध पोरस और Alexender (सिकंदर) के बीच हुआ था but जीत Alexender की हुई थी

⇒ सिकंदर ने भारत में दो शहरों को बसाया Nikaiyya and Bukafela

⇒ सिकंदर की सेना व्यास नदी को पार करने से मना कर दिया था।

⇒ सिकंदर की मृत्यु बेबीलोन में हुई थी

मौर्य साम्राज्य

(322/21 B.C - 184/85 B.C)

चन्द्रगुप्त मौर्य (322/21 B.C - 298 B.C)

⇒ इसे सैंड्रोकोटस भी कहते थे।

⇒ (यूनान के इतिहासकारों ने नाम दिया था (सैंड्रोकोटस)

⇒ चन्द्रगुप्त के गुरु चाणक्य थे।

⇒ ये पहला शासक था जिसने अखिल भारतीय साम्राज्य की स्थापना की थी।

⇒ इसने सैल्युकस को हराया था।

⇒ इसने गिरनार गुजरात में Lake सुदर्शन झील का निर्माण कराया था।

⇒ सेल्युकस ने मैगस्थनीज को चन्द्रगुप्त के दरबार में भेजा था।

⇒ मैगस्थनीज भारत आने वाला पहला अन्तर्राष्ट्रीय राजदूत था।

⇒ मैगस्थनीज ने इण्डिका नामक एक पुस्तक लिखी थी।
(Indica)

⇒ चन्द्रगुप्त ने भद्रबाहु के द्वारा जैन धर्म स्वीकार किया था।

⇒ चन्द्रगुप्त मौर्य की राजधानी पाटलीपुत्र थी।

⇒ चन्द्रगुप्त मौर्य की मृत्यु श्रवणबेलगोला (कर्नाटक) में हुई थी।

⇒ इसकी मृत्यु के बाद इसका पुत्र बिन्दुसार सत्ता में आया था।

⇒ बिन्दुसार को अमित्रघात भी कहते थे।

⇒ बिन्दुसार आजीवक सम्प्रदाय का अनुयायी थे।

⇒ बिन्दुसार ने (P) Syria (सिरिया) के राजा से 3 वस्तु मँगवाई थी। | Kiran

⇒ ① 3 Things

(×) ① Philosopher ✓ ये नहीं आया था।

✓ ② Figs अंजीर

✓ ③ Wine मदिरा

⇒ इसी बिन्दुसार का एक बेटा था उसका नाम अशोक था

⇒ अशोक ने अपने पिता बिन्दुसार के समय में तक्षशिला में एक विद्रोह का दमन दमन किया था।

⇒

अशोक

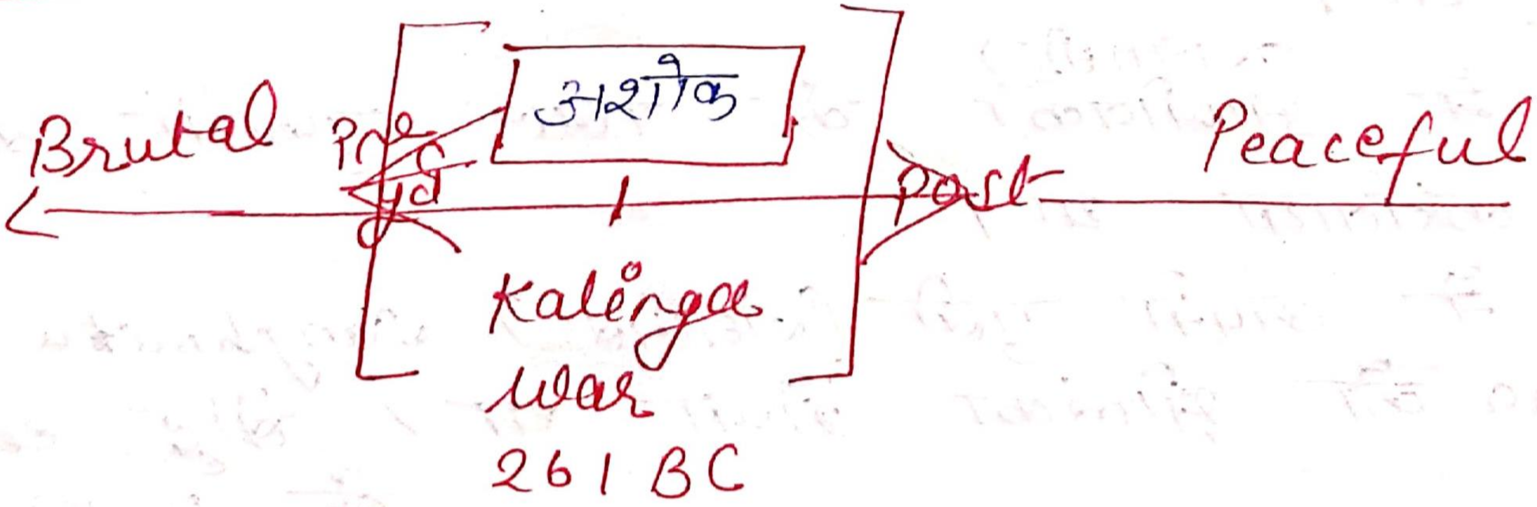

⇒ अशोक का आधिकारिक नाम देवानांम् प्रिय था।

⇒ इनका नाम अशोक मास्की और गुर्जरा के अभिलेखों से प्राप्त हुआ था।
(Karnataka) (M.P)

⇒ अशोक ने कलिंग पर 261 B.C पर हमला किया था। (Source) – 13th शिलालेख

⇒ 3rd बौद्ध धर्म संगीति अशोक के समय में (Baudh council) पाटलिपुत्र में हुई थी। 251 B.C

⇒ अशोक ने उपगुप्त से बौद्ध धर्म स्वीकार किया था।

⇒ अशोक अपनी पत्नी कौर्वकी से प्रभावित था।

⇒ अशोक ने लुम्बिनी की यात्रा की थी और नेपाल में बौद्ध धर्म को आरम्भ किया था

⇒ अशोक के अभिलेखों को पढ़ने वाला प्रथम व्यक्ति James Princep था।

sujeet bajpai sir

jeet bajpai sir

⇒ अशोक ने अपने अभिलेखों में ब्राह्मी, खरोष्ठी ग्रीक एवं अरमाईक लिपियों का प्रयोग किया था।
Brahmi Armaik

⇒ अशोक ने जम्मू कश्मीर में श्रीनगर की स्थापना की थी।

⇒ अशोक ने सुदर्शन झील का ~~निर्माण~~ मरम्मत कराई थी।

⇒ अशोक ने (सन्यासी) आजीवकों के लिए गुफाओं का निर्माण करवाया था।

⇒ अशोक ने अपनी पुत्री (संघमित्रा) Sanghmitra and Mahendra (महेन्द्र) महेन्द्र को श्रीलंका भेजा था। बौद्ध धर्म के प्रचार के लिए।

⇒ इस वंश का अन्तिम शासक बृहद्रथ बृहद्रथ था। और इसकी हत्या इसके सेनापति पुष्यमित्र शुंग ने की थी।